

धर्मा ने हर सम्भव सहयोग देते रहने का आश्वासन दिया। विशेष अतिथि रामकृष्ण दुबे ने कहा कि

कृषि इंजीनियरिंग कालेज में एक दिवसीय कार्यक्रम, विशेषज्ञों ने लिया भाग

4

समस्तीपुर, डॉ. अंजलि सुधाकर
सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ.
आनंद किशोर सहायक प्राध्यापक
सौनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन
विषय विशेषज्ञ मधुबनी, डॉ. सीतेश
कुमार सहायक प्राध्यापक कृषि
विद्यालय राँची, डॉ. खुशबू कुमारी
वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल ने
अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ.
शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन
के लिए डॉ. खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर
अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कंसल्ट
खान, डॉ. केके पटेल, डॉ. टीके
महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद
ज्ञापित किया। इस वेबीनार के
आयोजन पर इंजीनियरिंग कॉलेज
के नीरजा शर्मा और मलीहा खानम
ने सहयोग दिया।

मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है कुलपति

**सच की अहमियत ब्यूरो चीफ
नफीस अंसारी**

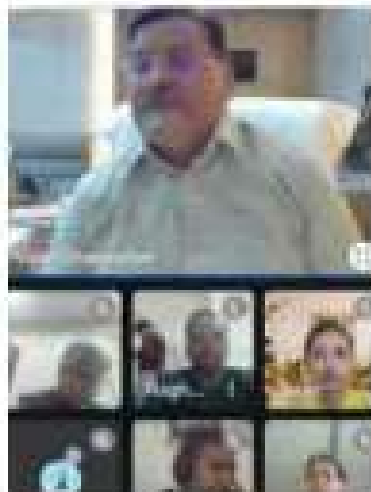
इटावा चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 28 फरवरी एवं 5 मार्च को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैम्पस पर निरंतर एकेडमिक एक्सिलेंस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त सेमिनार में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इम्रान मिश्रा ने बताया कि मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में संज्ञाकरण को किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान के लिए कार्य करने को प्रेरित



किया। डॉक्टर एन के शर्मा ने बताया कि कुल उत्पादन का लगभग 40% उत्पाद बर्बाद हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस सेमिनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैम्पस में अध्ययनरत छात्राओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। डॉ. पी डी शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ. अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक

साबौर, डॉ. आनंद किशोर, सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सोमेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन सेमिनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कंसफ खान खान डॉक्टर के के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया इसी प्रकार पूर्व के सेमिनार का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को हायरिंग टेंडर्स, इंजीनियरिंग क्षेत्र में नौकरी की भूमिकाओं, विविधताओं और समावेश भर्ती के बारे में जागरूक करते हुए कम समय में और बिना किसी लागत के प्रभावी रूप से ऑनलाइन मोड में व्यवहारिक आधार पर प्रशिक्षण एवं इंटरनेट कार्यक्रम के तहत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस सेमिनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग नीरजा शर्मा और इंजीनियरिंग मलीहा खानम को अधिष्ठाता द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया



न्यूज राष्ट्रीय श्रृंखला इटामा। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर के ऑनलाइन संवाचित में सनियंत्रण संवर्धन के

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 28 नवम्बर 2025 एवं 5 दिसंबर 2025 को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भोजन के लिए टिप्पण और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निदेशान में इच्छा कैमरा पर निरंतर एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ाने का कार्य निरंतर चल रहा है। उपरोक्त वेबीनार में परगनी पि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इंद्रविषि मिश्रा ने अवगत कराया की मुख्य संकेत एवं

प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि जिन के क्षेत्र में संश्लेषण को किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भागवान का रूप प्रदान हुए हैं वैज्ञानिकों को किसानों के उत्पादन के लिए कार्य करने को प्रेरित किया। डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अवगत कराया कि कुल कुलपति का लगभग 40 उत्पाद बिक्री हो रहा है अतः संवर्धन के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को चतुराई खानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैमरा में अग्रजों को सहाय-साध संभव सदस्यों

को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से विचारणीय के क्षेत्र में जोर दे नवाचार को अग्रणी करता है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे है। डॉ. पी डी शर्मा प्रोफेसर पुस्तक नहीं मिलती, डॉ. अंजलि सुभाकर सहायक प्राध्यापक तबीर, डॉ. आनंद किलेर, सहायक प्राध्यापक सोनित, इंजीनियर जोसेफ सोहन, विषय विशेषज्ञ मधुनी डॉक्टर सोनेश कुमार, सहायक प्राध्यापक पि विद्यालय रवी, डॉक्टर सुखू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरआई कलकत्ता द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इस वेबीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर सुखू गुप्ता, प्रोफेसर अंजलि

सिंह, इंजीनियरिंग कंसक खान खान डॉक्टर के के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया इसी प्रकार पूरा के वेबीनार का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को हाथीग ट्रैक्टर, इंजीनियरिंग क्षेत्र में नौकरी की सुविधाओं विविधताओं और सम्बन्ध भर्ती के बारे में जगलक बनने हुए कम समय में और बिना बिना लागत को प्रभावी रूप से ऑनलाइन नेट में व्यवहारिक अवसर पर प्रशिक्षण एवं इंटरनेट कार्यक्रम के तहत जानसरी उपलब्ध कराई गई। इस वेबीनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग निरुद्धा शर्मा और इंजीनियरिंग मनीष खान को अतिरिक्त ज्ञान धन्यवाद ज्ञापित किया गया।



दैनिक

उद्योग नगरी टाइम्स

E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com

सत्य ही कर्तव्य

अंक : 45

कानपुर, गुरुवार 6 मार्च 2025

RNI UPHIN/2010/47220

पृष्ठ : 4

कानपुर समाचार

गुरुवार 6 मार्च 2025

4

सीएसए के कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ वेबीनार का आयोजन

अनवर अशरफ
कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर
आचार्य कृषि विश्वविद्यालय
कानपुर के अधीन संचालित कृषि
अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर
साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग
एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा
दिनांक 28 फरवरी 2025 एवं 5
मार्च 2025 को दो प्रमुख विषयों
जिसमें तकनीकी और गैर
तकनीकी भागों में गीतगार के
अवसर एवं स्वयंभू भारत के लिए
टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य
प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति
विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार
का सफल आयोजन किया गया।
कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह
के निर्देशन में इटावा कैम्पस पर
निरंज एकेडमिक एक्सलेंस को

बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।
उपरोक्त वेबीनार में परधनी कृषि
विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर
इंदुमणि मिश्रा ने अध्यक्षता किया
की मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण
तकनीक अभी भी किसानों की
सूँच से दूर है जबकि कृषि के
क्षेत्र में संशोधन को किसान प्रत्यक्ष
कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों
को भगवान का रूप मानते हुए
कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के
उत्थान के लिए कार्य करने को
प्रेरित किया। डॉक्टर एन के शर्मा
ने अपने स्वागत संबोधन में
अवगत बताया कि कुल उत्पादन
का लगभग 40% उत्पाद बर्बाद
हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र
में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को
देहरी इनिशिय को रोकने के प्रयास

किए जाने चाहिए जो कि बहुत
आवश्यक है इस वेबीनार के
आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैम्पस
में अध्ययन छात्राओं के साथ-
साथ संकाय सदस्यों को अनुभवों
विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि
तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार
से अवगत करना है। डॉक्टर शर्मा
द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निर्धार
इस प्रकार के आयोजन करने हेतु
प्रोत्साहित किया जा रहा है। डॉ.
पी डी शर्मा, प्रोफेसर पूमा नई
दिखी, डॉ अंजलि सुधाकर
सहायक प्राध्यापक साबीर, डॉ
आनंद कि शोर, सहायक
प्राध्यापक सोनीषत, इंजीनियर
जोर्नंद सोरन, विषय विशेषज्ञ
मधुबनी डॉक्टर सोनित कुमार,
सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय

रांची, डॉक्टर
खुशबू कुमारी,
बी टी। नि क
एनडीआर आई
करनाल द्वारा अपने
व्याख्यान प्रस्तुत
किए गए। डॉक्टर
शर्मा ने इन वेबीनार
के आयोजन हेतु
डॉक्टर खुशबू गुप्ता,
प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग
कमल खान खान डॉक्टर के के
पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित
सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया इसी
प्रकार पूर्व के वेबीनार का प्रमुख उद्देश्य
छात्रों को हरमिस ट्रेड्स, इंजीनियरिंग
क्षेत्र में नौकरी की भूमिकाओं,
विविधताओं और समावेश भागी के
बारे में जानकारी बढो हुए कम समय



में और बिना किसी लागत के प्रभावी
रूप से ऑनलाइन मोड में व्यापारिक
आधार पर प्रतिभाग एवं इंटरनेशन
कार्यक्रम के तहत जनबखी उपलब्ध
कराई गई। इस वेबीनार के आयोजन
पर इंजीनियरिंग मीराजा शर्मा और
इंजीनियरिंग मलीहा खानम को
अभिछता द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया
गया।

अमर भारती

पृष्ठ, 06 संस्करण

एक उम्मीद

दि. 12, शुक्र- 03 ई.

RNI No. UPHIN/2011/45455

www.amarbharti.com

गुरुवार, 06 मार्च 2025 तक संपादित 1946, छात्रावास शुभारंभ

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ वेबीनार

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 28 फरवरी एवं 5 मार्च 2025 को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैंपस पर निरंतर एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त वेबीनार में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया की मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को



किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान के लिए कार्य करने को प्रेरित किया।

डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40% उत्पाद बर्बाद हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैंपस में अध्ययनरत

छात्राओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे हैं। डॉ. पी डी शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ. अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ. आनंद किशोर, सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सीतेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कसफ खान खान डॉक्टर के के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्त और दहेज मुक्त भारत बनाने की हुई शपथ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विधि के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण महा विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बैनरतले आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को शासन के निर्देशानुसार डॉक्टर एन के शर्मा, अधिष्ठाता की देख रेख में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर में सर्वप्रथम विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज मुक्त



और नशामुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ। तत्पश्चात नेताजी सभागार में छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। इसी के साथ देश में महिलाओं की स्थिति पर डॉक्टर खुशबू गुप्ता, इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर डी सिंह, डॉक्टर टी के महेश्वरी, डॉक्टर के के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने किया। अधिष्ठाता डॉ एनके शर्मा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आज के आधुनिक परिवेश में भी उनके ऊपर हो रहे अत्याचारों पर अपनी संवेदना व्यक्त की। अंत में पढ़े विश्वविद्यालय / बड़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ने लाइब्रेरी में जाकर अपनी मनपसंद किताबों का अध्ययन किया।



इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्त और दहेज मुक्त भारत बनाने की हुई शपथ



इटावा/अवधानामा ब्यूरो। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बैनरतले आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को शासन के निर्देशानुसार डॉक्टर एन के शर्मा अधिष्ठाता की देख रेख में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर में सर्वप्रथम विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज मुक्त और नशामुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ तत्पश्चात नेताजी सभागार में छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई इसी के साथ देश में महिलाओं की स्थिति पर डॉक्टर खुशबू गुप्ता, इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर डी सिंह, डॉक्टर टी के महेश्वरी, डॉक्टर के के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने किया। अधिष्ठाता डॉ एनके शर्मा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आज के आधुनिक परिवेश में भी उनके ऊपर हो रहे अत्याचारों पर अपनी संवेदना व्यक्त की। अंत में पढ़े विश्वविद्यालय, बड़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ने लाइब्रेरी में जाकर अपनी मनपसंद किताबों का अध्ययन किया।

Oath taken in Agricultural Engineering College to make India drug free and dowry free



MASOOD TAIMURI (WednesdayTimes)

In the series of programs organized under the banner of International Women's Day in the Faculty of Agricultural Engineering, run under Etawah Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur, as per the instructions of the government, under the supervision of Dr. NK Sharma, Dean, in the academic campus of the Agricultural Engineering College, first of all, an oath program was organized for the students and staff to make India dowry-free and drug-free. After that, a dance drama was presented by the students in the Netaji Auditorium. Along with this, Dr. Khushboo Gupta, Engineer Neeraj Sharma, Engineer Kashyap Khan, Maliha Khanam, Dr. Ajit Singh, Dr. D Singh, Dr. TK Maheshwari, Dr. KK Patel, etc. threw light on the status of women in the country. The program was conducted by Dr. Shweta Dubey. Dean Dr. NK Sharma expressed his condolences on the freedom of women and the atrocities being committed on them even in today's modern environment.

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ वेबीनार

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 28 फरवरी एवं 5 मार्च 2025 को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैंपस पर निरंतर एकेडमिक एक्सप्लेनस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त वेबीनार में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया की मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को



किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान के लिए कार्य करने को प्रेरित किया।

डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40% उत्पाद बर्बाद हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैंपस में अध्ययनरत

छात्राओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे हैं। डॉ. पी डी शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ आनंद किशोर, सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सीतेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कसफ खान खान डॉक्टर के के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

रहस्य संदेश

क-67

गुनिवार, 08 मार्च 2025

सखनक व एटा से प्रकलित

R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715

पृष्ठ-4

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्त और दहेज मुक्त भारत बनाने की हुई शपथ



अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण महा विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बैनरतले आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज शासन के निर्देशानुसार डॉक्टर एन के शर्मा, अधिष्ठाता की देख रेख में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर में सर्वप्रथम विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज मुक्त और नशामुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ। तत्पश्चात नेताजी सभागार में छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई इसी के साथ देश में महिलाओं की स्थिति पर डॉक्टर खुशबू गुप्ता, इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर डी सिंह, डॉक्टर टी के महेश्वरी, डॉक्टर के के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने किया। अधिष्ठाता डॉ एनके शर्मा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आज के आधुनिक परिवेश में भी उनके ऊपर हो रहे अत्याचारों पर अपनी संवेदना व्यक्त की। अंत में पढ़े विश्वविद्यालय / बड़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ने लाइब्रेरी में जाकर अपनी मनपसंद किताबों का अध्ययन किया।

शहर



शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल स्टॉफ व स्टूडेंट । • हिन्दुस्तान

छात्रों को दिलाई नशामुक्त भारत की शपथ

इटावा। कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर में विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज मुक्त और नशामुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ। वहीं कॉलेज के नेताजी सभागार में छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में देश में महिलाओं की स्थिति पर डॉ. खुशबू गुप्ता, इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. डी सिंह, डॉ. टी के महेश्वरी, डॉ. के के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ एनके शर्मा मनीष सहाय मीडिया प्रभारी आदि मौजूद रहे

किसानों को प्रभु का रूप मान उनके उत्थान का कार्य करें

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग के तत्वावधान में सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैम्पस पर निरंतर एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। वेबीनार में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया कि मूल्य संवर्धन



सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण पर वेबीनार में भाग लेते कृषि वैज्ञानिक।

अमृत विचार

एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है। कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को किसान ग्रहण कर रहे हैं। इन्होंने देश के किसानों को प्रभु का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान

● सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक पर वेबीनार

के लिए कार्य करने को प्रेरित किया। अधिष्ठाता कृषि इंजीनियरिंग कालेज डॉ. एनके शर्मा ने अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40 फीसदी उत्पाद बर्बाद हो रहा है। अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास करने चाहिए। वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैम्पस में अध्ययनरत विद्यार्थियों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉ. पीडी शर्मा प्रोफेसर पूसा

समस्तीपुर, डॉ. अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ. आनंद किशोर सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन विषय विशेषज्ञ मधुबनी, डॉ. सीतेश कुमार सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉ. खुशबू कुमारी वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ. शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन के लिए डॉ. खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कसफ खान, डॉ. केके पटेल, डॉ. टीके महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस वेबीनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग कॉलेज के नीरजा शर्मा और मलीहा खानम ने सहयोग दिया।

टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक पर चर्चा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से बुधवार को वेबिनार हुआ। इसका विषय रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ



भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति रहा। इसमें परभणी कृषि विश्वविद्यालय के

कुलपति डॉ. इंद्रमणि मिश्रा ने कहा कि मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है, जबकि कृषि के क्षेत्र में किसान अब तकनीक ग्रहण कर रहे हैं। डॉ. एनके शर्मा ने कहा कि कुल उत्पादन का लगभग 40 फीसदी उत्पाद बर्बाद हो रहा है। अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने का प्रयास करना चाहिए। वेबिनार में डॉ. पीडी शर्मा, डॉ. अंजलि सुधाकर, डॉ. आनंद किशोर, डॉ. सीतेश कुमार शामिल रहे। (ब्यूरो)

Value addition and processing technology is still beyond the reach of farmers: Vice Chancellor

MASOOD TAIMURI
(WednesdayTimes)

The Department of Computer Science Engineering and Processing and Food Engineering of the Faculty of Agricultural Engineering, run under Etawah Chandrashekhar Azad Agricultural University, Kanpur, successfully organized a one-day seminar on 28 February and 5 March on two major topics, including employment opportunities in technical and non-technical recruitment and progress in sustainable and safe food processing technology for a healthy India. Under the guidance of Vice Chancellor Dr. Anand Kumar Singh, work is being done to continuously enhance academic excellence at the Etawah campus. In the above seminar, Vice Chancellor of Parwani Agricultural University, Dr. Indramani Mishra said that value addition and processing technology are still beyond the reach of farmers, while farmers are adopting mechanization in the field of agriculture. He considered the farmers of the country as God and inspired agricultural scientists to work for the



upliftment of farmers. Dr. NK Sharma said that about 40% of the total production is getting wasted, so scientists working in the field of processing should make efforts to prevent double losses, which is very necessary. The main objective of organizing this seminar is to make the students studying in the campus as well as the faculty members aware of the innovations taking place in the field of agricultural technology through

experienced experts. Dr. Sharma is encouraging everyone to continuously organize such events in the field of education. Dr. PD Sharma, Professor Pusa New Delhi, Dr. Anjali Sudhakar Assistant Professor Sabour, Dr. Anand Kishore, Assistant Professor Sonapat, Engineer Jogendra Soran, Subject Expert Madhubani Dr. Suresh Kumar, Assistant Professor Agricultural School Ranchi, Dr. Khushboo Kumari, Scientist NDRI Karnal presented their lectures. Dr. Sharma thanked Dr. Khushboo Gupta, Professor Ajit Singh, Engineering Kasf Khan, Dr. KK Patel, Dr. TK Maheshwari and all others for organizing these webinars. Similarly, the main objective of the previous seminar was to make the students aware about hiring trends, job roles in engineering field, diversity and inclusion recruitment and provide information under practical based training and internship program in online mode in a short time and without any cost effectively. Engineering Neeraj Sharma and Engineering Maliha Khanam were Vice and the Dean for organizing this seminar.

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्त और दहेज मुक्त भारत बनाने की हुई शपथ

दिशम दुहे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभिवर्धन महा विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज शासन के निर्देशानुसार डॉक्टर 3 शर्मा, अधिष्ठाता की देख रेख में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक पालक, सर्वप्रथम विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज मुक्त और नशामुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ। तत्पश्चात नेताजी सभागार में छात्र-छात्राओं



द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई इसी के साथ देश में महिलाओं की स्थिति पर डॉक्टर खुशबू गुप्ता, इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर डी सिंह, डॉक्टर टी के महेश्वरी, डॉक्टर के के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुहे ने किया। अधिष्ठाता डॉ एनके शर्मा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आज के आधुनिक परिवेश में भी उनके ऊपर हो रहे अत्याचारों पर अपनी संवेदना व्यक्त की। अंत में पढ़े विश्वविद्यालय / बड़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ने लाइब्रेरी में जाकर अपनी मनपसंद किताबों का अध्ययन किया।

सीएसए के कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ वेबीनार का आयोजन

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 28 फरवरी 2025 एवं 5 मार्च 2025 को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैंपस पर निरंतर एकेडमिक एक्सचेंज को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त वेबिनार में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इंद्रमणि मिश्रा ने अत्यंत कराया की मूल्य संबंधित एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में यंत्रोकरण को किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान के लिए कार्य करने को प्रेरित किया। डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अत्यंत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40% उत्पाद बर्बाद हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैंपस में अध्ययनरत छात्राओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे हैं। डॉ. पी. डी. शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ. अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ. आनंद किशोर, सहायक



प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सीतेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कंसप्ट खान खान डॉक्टर के के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया इसी प्रकार पूर्व के वेबीनार का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को हायरिंग ट्रेड्स, इंजीनियरिंग क्षेत्र में नौकरी की भूमिकाओं, विविधताओं और समावेश भर्ती के बारे में जागरूक करते हुए कम समय में और बिना किसी लागत के प्रभावी रूप से ऑनलाइन मोड में व्यवहारिक आधार पर प्रशिक्षण एवं इंटरनेशनल कार्यक्रम के तहत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस वेबीनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग नीरजा शर्मा और इंजीनियरिंग मलीहा खानम को अधिछाता द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।



उद्योग नगरी टाइम्स

हिन्दी दैनिक

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्त और दहेज मुक्त भारत बनाने की हुई शपथ



अनवर अशरफ कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण महा विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बैनरतले आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज शासन के निर्देशानुसार डॉक्टर एन के शर्मा, अधिष्ठाता की देख रेख

में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर में सर्वप्रथम विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज मुक्त और नशामुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ। उत्पश्चात नेताजी सभागार में छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई इसी के साथ देश में महिलाओं की स्थिति पर डॉक्टर खुशबू गुप्ता,

इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर डी सिंह, डॉक्टर टी के महेश्वरी, डॉक्टर के के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने किया। अधिष्ठाता डॉ एनके शर्मा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आज के आधुनिक परिवेश में भी उनके ऊपर हो रहे अत्याचारों पर अपनी संवेदना व्यक्त की। अंत में पढ़े विश्वविद्यालय / बड़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ने लाइब्रेरी में जाकर अपनी मनपसंद किताबों का अध्ययन किया।